

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,

प्रमुख सचिव

उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निदेशक,

पशुपालन विभाग,

उत्तराखण्ड, देहरादून

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 27 फरवरी, 2015

विषय अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत स्वीकृत पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1506/नि०-5/एक(25)/भ०नि०(अ०आ०)/2014-15 दिनांक 22 जुलाई, 2014 एवं पत्र संख्या-2377/नि०-5/एक(25)/भ०नि०(अ०आ०)/2014-15 दिनांक 11 सितम्बर, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत स्वीकृत निम्नांकित पशुसेवा केन्द्रों के भवन निर्माण कार्य हेतु आंकलित धनराशि रु० 102.90 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी०, वित्त विभाग द्वारा औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि रु० 98.44 लाख एवं आगणनों में अधिप्राप्ति संबंधी कार्य हेतु प्राविधानित धनराशि रु० 2.12 लाख कुल रु० 100.56 लाख की प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में पशु चिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण योजनान्तर्गत अवशेष धनराशि रु० 78.96 लाख (अठात्तर लाख छियानब्बे हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्न विवरणानुसार निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रादिष्ट किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	पशुसेवा केन्द्र का नाम	निर्माण एजेन्सी का नाम	धनराशि लाख में			
			टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित आगणन की धनराशि	टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार धनराशि	कुल अनुमोदित धनराशि (4+5)	आवंटित धनराशि
1	2	3	4	5	6	7
1	पशुसेवा केन्द्र, खाताखेड़ी जनपद हरिद्वार	पेयजल	23.25	0.67	23.92	23.92
2	पशुसेवा केन्द्र, खेड़ी शिकोहपुर, हरिद्वार	निगम	23.42	0.66	24.08	24.08
3	पशुसेवा केन्द्र डोला रानीकोटा, जनपद नैनीताल	ग्रामीण अभियंत्रण	26.70	0.27	26.97	26.97
4	पशुसेवा केन्द्र, अण्डोली जनपद अल्मोड़ा	I सेवा	25.07	0.52	25.59	3.99
कुल योग			98.44	2.12	100.56	78.96

- (1) पशुसेवा केन्द्र अण्डोली, जनपद अल्मोड़ा के निर्माण हेतु अवशेष धनराशि रु० 21.06 लाख आगामी वित्तीय वर्ष 2015-16 में अवमुक्त की जायेगी।
- (2) पशुसेवा केन्द्र खाताखेड़ी, पशुसेवा केन्द्र खेड़ी शिकोहपुर जनपद हरिद्वार, पशुसेवा केन्द्र डोला रानीकोटा जनपद नैनीताल एवं पशुसेवा केन्द्र अण्डोली जनपद अल्मोड़ा हेतु आगणनों प्राविधानित धनराशि क्रमशः रु० 0.67, रु० 0.66 लाख, रु० 0.27 लाख एवं रु० 0.52 लाख के कार्य उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार किये जायेंगे।
- (3) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर समक्ष अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति

- (4) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाए, जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गई है स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (5) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (6) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (7) विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (8) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्रावधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्रावधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाए।
- (9) कार्यदायी संस्था के साथ कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के निर्धारित प्रारूप पर एम०ओ०यू० अवश्य हस्तक्षरित करवाया जाए एवं निर्धारित एम०ओ०यू० के अनुसार समयान्तर्गत कार्य पूर्ण कराया जाए।
- (10) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006)/ दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (11) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- (12) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (13) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाए तथा एक मद की राशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
- (14) स्वीकृत निर्माण कार्य को तत्काल प्रारम्भ किया जाए। निर्माण कार्य विलम्ब से प्रारम्भ करने के परिणामस्वरूप लागत में वृद्धि होती है, तो शासन स्तर से आगणनों को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से शासन को उपलब्ध करायी जाए।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूंजीगत परियोजना-00-101-पशु चिकित्सा सेवाएं तथा पशु स्वास्थ्य-10-पशु चिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण-24 वृहत् निर्माण कार्य के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-139(P)/XXVII(1)/2014 दिनांक 10 फरवरी, 2015 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० रणबीर सिंह)

संख्या: 200 (1) / XV-1/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. जिलाधिकारी, नैनीताल, अल्मोड़ा एवं हरिद्वार।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल, अल्मोड़ा एवं हरिद्वार।
4. मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, नैनीताल, अल्मोड़ा एवं हरिद्वार।
5. अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा प्रखण्ड, नैनीताल, अल्मोड़ा।
6. प्रोजेक्ट मैनेजर, निर्माण बिंग, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, ऋषिकेश।
7. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(सुनील कुमार सिंह)

अनु सचिव

ख

ना
त
र्य

ति